# ओडिशा में कृष्णमृग (Blackbuck) की आबादी में वृद्धि

## प्रिलिम्स के लिये

कृष्णमृग या काले हिरण (Blackbuck), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, आईयूसीएन (IUCN)

## मेन्स के लिये

कृष्णमृग संबंधित संरक्षित क्षेत्र, संरक्षण स्थिति, उत्पन्न खतरे

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में ओडिशा राज्य वन विभाग द्वारा जारी नवीनतम **पशुगणना** के आँकड़ों के अनुसार, पिछले छह वर्षों में ओडिशा में **कृष्णमृग या काले हिरण (Blackbuck) की आबादी दोगुनी** हो गई है।

//

## प्रमुख बिंदु

**कृष्णमृग के बारे में:**

- **कृष्णमृग का वैज्ञानिक नाम 'Antilope Cervicapra' है, जिसे 'भारतीय मृग' (Indian Antelope)** के नाम से भी जाना जाता है। यह **भारत और नेपाल** में मूल रूप से निवास करने वाली मृग की एक प्रजाति है।
  - **ये राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और अन्य क्षेत्रों में (संपूर्ण प्रायद्वीपीय भारत में) व्यापक रूप से पाए जाते हैं।**
- ये घास के मैदानों में सर्वाधिक पाए जाते हैं अर्थात् इसे **घास के मैदान का प्रतीक** माना जाता है।
- इसे **चीते के बाद दुनिया का दूसरा सबसे तेज़ दौड़ने वाला जानवर** माना जाता है।
- कृष्णमृग एक **दैनंदिनी मृग (Diurnal Antelope) है अर्थात् यह मुख्य रूप से दिन के समय ज़्यादातर सक्रिय** रहता है।
- यह आंध्र प्रदेश, हरियाणा और पंजाब का **राज्य पशु** है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:** यह **हिंदू धर्म के लिये पवित्रता का प्रतीक** है क्योंकि इसकी त्वचा और सींग को पवित्र अंग माना जाता है। बौद्ध धर्म के लिये यह **सौभाग्य (Good Luck)** का प्रतीक है।

**संरक्षण स्थिति:**

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची-I
- आईयूसीएन (IUCN) में स्थान : कम चिंतनीय (Least Concern)
- **CITES:** परिशिष्ट-III

**खतरा:**

- इनके संभावित खतरों में प्राकृतिक आवास का विखंडन, वनों का उन्मूलन, प्राकृतिक आपदाएँ, अवैध शिकार आदि शामिल हैं।

**संबंधित संरक्षित क्षेत्र:**

- वेलावदर (Velavadar) कृष्णमृग अभयारण्य- गुजरात
- प्वाइंट कैलमिर (Point Calimer) वन्यजीव अभयारण्य- तमिलनाडु
- वर्ष 2017 में **उत्तर प्रदेश** राज्य सरकार ने प्रयागराज के समीप यमुना-पार क्षेत्र (Trans-Yamuna Belt) में **कृष्णमृग** संरक्षण रिज़र्व स्थापित करने की योजना को मंज़ूरी दी। यह कृष्णमृग को समर्पित पहला संरक्षण रिज़र्व होगा।

**ओडिशा में कृष्णमृग:**

- काले हिरण को **ओडिशा** में **कृष्णसारा मृगा (Krushnasara Mruga)** के नाम से जाना जाता है।
- काला हिरण पुरी ज़िले में **बालूखंड-कोणार्क तटीय मैदान/वन्यजीव अभयारण्य** तक ही सीमित है।
- गंजाम (Ganjam) ज़िले में **बालीपदर-भेटनोई और उसके समीपवर्ती क्षेत्रों में** ।
- नवीनतम गणना के अनुसार, वर्ष 2011 में 2,194 की मृग आबादी की तुलना में 7,358 मृग हैं।
- इनकी **आबादी में वृद्धि के प्रमुख कारणों** में आवासों में सुधार, स्थानीय लोगों और वन कर्मचारियों द्वारा दी गई सुरक्षा शामिल है।

**भारत में पाए जाने वाले अन्य मृग प्रजातियाँ:**

- **बारहसिंगा या स्वैम्प डियर (Swamp Deer)** , चीतल/चित्तीदार हिरण, सांभर हिरण, संगाई/बरो-एंटलर्ड हिरण (Brow-Antlered Deer), **हिमालयन सीरो**, भौंकने वाला हिरण (Barking Deer)/भारतीय काकड़ (Indian Muntjac), नीलगिरि तहर/नीलगिरि आईबेक्स, तिब्बती मृग, हिमालयी तहर, नीलगाय (Blue Bull), चिंकारा (Indian Gazelle) ।

## स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/blackbuck-population-increased-in-odisha